

गुप्तसंस्कृत - ५०८९२

मार्ग

५०८९७



508 १२ (पञ्चदश्यागविद्यागर्णेने पणिषत् ७)

508 १३ (महाचक्रपरिनिषत् ७)

508 १४ (आथर्वणीये तृतीये पणिषत् ७)

508 १५ (आथर्वणीये तृतीये पणिषत् ७)

508 १६ (कालिकोपाणिषत् ७)

508 १७ (कैरीकोपाणिषत् ७)







Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org



१ दि उ म दे उ मी ला उ प मृ वि वि क भ य डि म उ उ उ क भ य डि म  
 प वं म दे ॥ मि व उ पी मृ मृ उ न वि प म ॥ ॥ प डि ध य म उ य गि व क  
 भं क भ य डि क म इ न स य उ क मी र स य उ म क म ए उ प य म म  
 ए म म क म स य उ म प व रि ग ल्ल नः क म इ र स म डि उ म य उ  
 उ म मी म र क म ठि णी य उ क मं क भ य डि उ म वि उ व य क म ॥ क  
 वं उ म डि क म म वं उ मि डि क क र म म य डि उ म उ उ म क उ  
 उ म म ॥ ० ॥ म वि उ च र ए मि डि ध उ म म म व म वि उ म म  
 म म उ म म म डि म म उ म डि म म डि म म म म म म म म म म

श्री



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अथ मन्त्रः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥  
सतिगोमूत्रं नन्दनगोमूत्रं कृष्णकर्मण्यं धूम्रं पुष्कलं ॥ २ ॥ अथ मन्त्रः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥ अथ मन्त्रः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥ अथ मन्त्रः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥ अथ मन्त्रः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥ अथ मन्त्रः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥ अथ मन्त्रः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥ अथ मन्त्रः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥ अथ मन्त्रः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥ अथ मन्त्रः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥











उभयद्वय/भुंउकः॥कभीकभंगिचः॥वल्लयेकभमवय  
वगुंठ नउहरे॥उडुविउचरेक कनकां मयनीयभद्वयंभ मडु  
हद्वयंभमभकः॥विउरैदगा॥विभुभमभंरिउयदभकउ  
उडिउवभमभमिवभमभमिवपव।रेकेल्लवमवहरेकंउडि  
यउ॥पमभपमंधीयडुयं॥विउउराउडुयं॥मदील्लवः  
मिवागभुडुकगलकःपवभभ्रीवउमडुहरेकं॥पमभमैउउ  
रियेयः॥पुमैययउ॥॥पमैययभुभवमैमिडेवंकुएकभक  
गलयभडडपगिउउवैभ्रवंपगंमतिरगवांमैउभडडप

२४



वम॥५॥ प्रवेतुम्भरपुंरुतीसंमजि कुहंप्रि पडुते इति म  
वागयह भुक्तुवितुवराटं उभयद्वरभुक्तुसंः भुक्तु सुकम  
इत्यः म्भुगतिउमणीवैभुगुं मभुक्तु मभुक्तु रिचयेत्ति  
वाभुपरमभुक्तुव उं प्रकं मभुक्तिउपं मभुक्तु मंणीव कुं म  
भुक्तु मभुक्तु॥ कर्जेम्वभुणीमदीहिनःण्यकुपीमिव म्भुक्तु  
कुं मभुक्तु मदीहिनमेधंवरुं कभुक्तु मनीयं म्भुक्तु म्भुक्तु॥  
मजि कुहंप्रि म्भुक्तु म्भुक्तु म्भुक्तु म्भुक्तु म्भुक्तु म्भुक्तु म्भुक्तु  
मभुक्तु मभुक्तु मभुक्तु मभुक्तु मभुक्तु मभुक्तु मभुक्तु मभुक्तु॥











नवमेणभविप्रनगाभुंवागुवंमिवसक्तिमममयंकुभकल  
 लयंमदुभदुप्रलटिभयंरुगयभ'भापीविहयं॥ ७॥  
 नममेणभविविह'प्रकमिउकुपपराभुविह'पण्डिकुय  
 पवगभुभ'पपममिवविह'॥०॥ एकममेणभविहय  
 पवगभुविह'पण्डिपउ'पववाएनयकुभुवीएंकभ  
 कल'लयंतददएंकडलेथ'भदुयः मक्तिऊं'कुटभ'एणप  
 ण्डिवैकुवीविह'॥००॥ नममेणभविह'एण'उ'उ'उ'उ'उ'उ'  
 द'मठग'व'भुचैयय'भुद'भुच'भ'ए'विह'उ'गीयउ'प'उ'गी

श्री



[illegible]








दुपंष्टमद्वते **८५५३५** भुत्रवमठगवा ग॥ एउवेममभ्रवमभउम  
 हुंभदल्लवंविलेभनंपिअपु ११भभुहुंउमवमीअंदिगीयभुहुं  
 भेभवाभभेभमिहुनेनकेलंरभमभुंभेभमभदभेठगुभामद्वते **३॥**  
 भउमभद्विहुंउंपुसभंरिवाठिकरं दिगीयंभिउक१०००हुतीयं  
 भवक१००००हुनेनभक१००००हुदिप्रगंविहुंभध्रीद्वहएउवे  
 एमभुत्रवमभेभमिहुदिपिहुंभदविहुंभुगीरिहुंभमद्वते  
 दिप्ररेभुगीएउवेमभमिउिउउहुहुहुंभभक१००००॥मि१॥मि१॥  
 भवभभउउपि१०००००लिगीद्विके१०००००॥मि१॥मि१॥



भक्त

[illegible]



Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org



श्री.



[illegible]







Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org



त्रिप्रभुमदपिष्ठुंठवतिभचकदिनीभ्रुयाएषुंठवति॥७  
 मकुंभचगैठगुदयकंमंरुंठवतिभचमहैठि॥८॥दिमडम  
 ममजियुंठवतिभभप्रुदयकंठवतित्रिप्रवामिष्टपिष्ठुं  
 ठवतिभचवमहरीभ्रुयाएषुंठवति॥९॥इगीयात्रेभचम  
 भाणकंमंरुंठवतिभभचभिष्टिप्रुदयकंमंरुंठवतिभभल  
 लयंठवतिभदलहृष्टपिष्ठुंठवतिभचैमदिनीभ्रुयाएषुं  
 ठवति॥१०॥पुमचगैठकंमंरुंठवतिभचष्टिमिममंजिय  
 ऊंठवतिभनिगठंष्टुंठवतित्रिप्रभालिष्टपिष्ठुंठवति॥

श्री



भदङ्गसमभद्रया एष्टुं कवति ॥ १ ॥ मपुमंमचुगिदरंमकुं  
 वतिभवसिष्टुष्टुं कवतिभदङ्गसमभद्रया एष्टुं कवति ॥ २ ॥ मपुमंमचुमिष्टु  
 भदङ्गसमभद्रया एष्टुं कवति ॥ ३ ॥ मपुमंमचुमिष्टु  
 भदङ्गसमभद्रया एष्टुं कवति ॥ ४ ॥ मपुमंमचुमिष्टु  
 भदङ्गसमभद्रया एष्टुं कवति ॥ ५ ॥ मपुमंमचुमिष्टु  
 भदङ्गसमभद्रया एष्टुं कवति ॥ ६ ॥ मपुमंमचुमिष्टु  
 भदङ्गसमभद्रया एष्टुं कवति ॥ ७ ॥ मपुमंमचुमिष्टु  
 भदङ्गसमभद्रया एष्टुं कवति ॥ ८ ॥ मपुमंमचुमिष्टु  
 भदङ्गसमभद्रया एष्टुं कवति ॥ ९ ॥ मपुमंमचुमिष्टु  
 भदङ्गसमभद्रया एष्टुं कवति ॥ १० ॥ मपुमंमचुमिष्टु



चा॥ सु० भिमैरमरूपग॥ उ० एवम० श्रीम० उ० सु० ह० भ० वि० भ०  
 क० ल० अ० द० म० ॥ भ० भ० उ० इ० क० र० पी० ॥ भ० ए० यि० इ० उ० इ० ह० र० वि० सु० उ० प० उ० म० उ०  
 न० उ० मि० ह० ॥ भ० उ० पि० ॥ य० र० म० वि० उ० भ० इ० ॥ इ० प० भ० र० गी० भ० व० ह० की०  
 ॥ ॥ भ० प० उ० म० वि० म० र० न० वि० ले० पि० उ० रि० नु० प० इ० मि० उ० म० वि० इ० ने० न० म०  
 ॥ ॥ ग० उ० ॥ इ० इ० क० ज० प्र० अ० यि० इ० भ० य० ल० इ० म० भ० इ० ॥ प्र० ए० य० म० ॥ ॥  
 उ० इ० म० श्री० य० वे० सि० व० क० ग० व० गी० प० ह० म० म० नि० इ० इ० कि० ॥ इ० इ० दि० भु० भु० ॥  
 वे० उ० न० भ० ॥ ॥ उ० इ० म० श्री० य० वे० सि० व० क० ग० व० गी० म० क० म० म० श्री० नि० इ० उ० भु० ॥  
 वे० उ० न० भ० न० म० ॥ ०० ॥ उ० क० ग० भ० लि० नी० नि० इ० उ० भु० वे० उ० न० भ० न० म० ॥ उ० नि० इ०

श्री



क्लिन्न निह उमुवे ॥ ०० ॥ पं मी न क निह उमुवे ॥ ०० ॥ उं व द्वि व म  
नी निह उमुवे ॥ ०० ॥ उं व द्ये वरी निह उमुवे ॥ ०० ॥ ए वि व अ जी नि  
ह उमुवे ॥ ०० ॥ ए व रि उ निह उमुवे ॥ ०० ॥ इं क ल भ री निह उमु  
वे ॥ ०० ॥ इं रि ह निह उमुवे ॥ ०० ॥ पं री ल प उ क निह उमुवे ॥ ००  
पं वि ए य निह उमुवे ॥ ०० ॥ उं भ व भ न ल निह उमुवे ॥ ०० ॥ उं  
इ ल भ ण निह उमुवे ॥ ०० ॥ मं मि इ निह उमुवे ॥ ०० ॥ मः भ द रि  
प र भ री निह उमुवे ॥ ०० ॥ क म रू व द ग ण य म निह उमुवे ॥ ०० ॥ मि  
दि र मि क उमुवे ॥ ०० ॥ म लि भ मि दि मु मुवे ॥ ०० ॥ ल पि भ मि दि







भवा कदि ली भद्र उष्टे ॥ ॐ ॥ कुं भव व स क री भद्र उष्टे ॥ ॐ ॥ भः भ  
वे म मि नी भद्र उष्टे ॥ ॐ ॥ कुं भद्र उष्टे ॥ ॐ ॥ कुं द म क ल  
रं द्रु शि प द भद्र उष्टे ॥ ॐ ॥ कुं री ए भद्र उष्टे ॥ ॐ ॥ द भा प द्रु पि  
म री भद्र उष्टे ॥ ॐ ॥ पे री नि भद्र उष्टे ॥ ॐ ॥ सुं सुं मां प्र व भ म री सु री  
शि प र ग र उष्टे ॥ ॐ ॥ सुं भ व म द्रु कि ली भद्र उष्टे ॥ ॐ ॥ सु लि म मि दि  
मु सु वे ॥ ॐ ॥ क भ क दि टा मि धे क स कं र वे ॥ ॐ ॥ सु क भ क दि  
ली उ सु वे ॥ ॐ ॥ सुं व द्रु क दि ली उ सु ॥ ॐ ॥ उ सु द द्रु क दि ली उ  
ष्टे ॥ ॐ ॥ सुं म द्रु क दि ली उ सु ॥ ॐ ॥ उं म द्रु क दि ली उ सु ॥ ॐ ॥ कुं कुं



一



ਰਸਮਧਰਤੁਏ॥੦॥ਤੰਬੰਧੰਪੰਰੰਸ਼ਰਸਮਧਰਤੁਰਤੁਏ॥੦॥ਪੰਠੰਬੰਠੰਮੰ  
 ਸ਼ਰਸਮਧਰਤੁਏ॥੦॥ਧੰਰੰਲੰਵੰਸ਼ਰਸਮਧਰਗਿਰੀਤੁਏ॥੦॥ਸੰਧੰਮੰਦੰਸ਼  
 ਰਸਮਧਰਤੁਏ॥੦॥ਲੰਧੰ: ਸ਼ਰਸਮਧਰਲਿਰੀਤੁਏ॥੦॥ਕੀਲੀਧੰ: ਸ਼  
 ਤੀਧਰਸ਼ਰਸਮਧਰਲਿਰੀਤੁਏ॥੦॥ਰੰਤੰਰੰਮੰਮੰ:॥ਮਧਕਧਿਲੀਧਰ  
 ਤੁਏ॥੦॥ਮਧਿਮਧਿਲਿਧਿਧੁਏ॥੦॥ਲੰਧੰਸ਼ੀਧਾਵੇਸਿਧਰਗਰਤੀਮ  
 ਰਮੰਧੰਠਿਠਾਧਿਧਤੁਧਸਕੰਤੁਏ॥੦॥ਰੰਤੰਰੰਮੰਮੰ:॥ਕੰਗਵੰਮਧਿਲਿ  
 ਸਧਿਧੁਏ॥੦॥ਧੰਮਧਵਿਧਰਵਿਲੀਸਧਿਧੁਏ॥੦॥ਮਧਕਧਿਲੀ  
 ਸਧਿਧੁਏ॥੦॥ਧੰਮਧਵਿਧਰਲਿਰੀਸਧਿਧੁਏ॥੦॥ਰੰਤੰਰੰਮੰਮੰ:॥



ਤਿ ਮੁਏ ॥ ॐ ॥ ਸੰ ਮ ਚ ਭੁ ਮਿ ਰੀ ਸ ਤਿ ਮੁਏ ॥ ॐ ॥ ਕੰ ਮ ਚ ਆ ਮੁ ਰੀ ਸ ਤਿ ਮੁ  
 ਏ ॥ ॐ ॥ ਲੰ ਮ ਚ ਭੁ ਮਿ ਰੀ ਸ ਤਿ ਮੁਏ ॥ ॐ ॥ ਘ ਮ ਚ ਭੁ ਮਿ ਰੀ ਸ ਤਿ ਮੁਏ ॥  
 ਨੰ ਮ ਚ ਭੁ ਮਿ ਰੀ ਸ ਤਿ ਮੁਏ ॥ ॐ ॥ ਟੰ ਮ ਚ ਭੁ ਮਿ ਰੀ ਸ ਤਿ ਮੁਏ ॥ ॐ ॥ ਚੰ ॥  
 ਮ ਚ ਮ ਭੁ ਮਿ ਰੀ ਸ ਤਿ ਮੁਏ ॥ ॐ ॥ ਟੰ ਮ ਚ ਭੁ ਮਿ ਰੀ ਸ ਤਿ ਮੁਏ ॥ ॐ ॥  
 ਫੰ ਮ ਚ ਭੁ ਮਿ ਰੀ ਸ ਤਿ ਮੁਏ ॥ ॐ ॥ ਟੰ ਮ ਚ ਭੁ ਮਿ ਰੀ ਸ ਤਿ ਮੁਏ ॥ ॐ ॥  
 ਧੰ ਮ ਚ ਭੁ ਮਿ ਰੀ ਸ ਤਿ ਮੁਏ ॥ ॐ ॥ ਟੰ ਮ ਚ ਭੁ ਮਿ ਰੀ ਸ ਤਿ ਮੁਏ ॥ ॐ ॥  
 ਨੰ ਮ ਚ ਭੁ ਮਿ ਰੀ ਸ ਤਿ ਮੁਏ ॥ ॐ ॥ ਟੰ ਮ ਚ ਭੁ ਮਿ ਰੀ ਸ ਤਿ ਮੁਏ ॥ ॐ ॥  
 ਟੰ ਮ ਚ ਭੁ ਮਿ ਰੀ ਸ ਤਿ ਮੁਏ ॥ ॐ ॥ ਟੰ ਮ ਚ ਭੁ ਮਿ ਰੀ ਸ ਤਿ ਮੁਏ ॥ ॐ ॥  
 ਟੰ ਮ ਚ ਭੁ ਮਿ ਰੀ ਸ ਤਿ ਮੁਏ ॥ ॐ ॥ ਟੰ ਮ ਚ ਭੁ ਮਿ ਰੀ ਸ ਤਿ ਮੁਏ ॥ ॐ ॥



संभवप्रियङ्गुदेवीउष्टु॥०॥ संभवमङ्गलकरि॥ देवीउष्टु॥  
पंभवकम्पप्रददेवीउष्टु॥०॥ संभवमपविर्भूमिनीदेवीउष्टु॥०॥  
पंभवमङ्गुसमभरीदेवीउष्टु॥०॥ संभवविष्णुविनायिनीदेवीउष्टु॥  
तंभवाङ्गमुद्गरीदेवीउष्टु॥०॥ संभवमोक्तगुणयिनीदेवीउष्टु॥०॥  
द्वैदभरलीङ्गः॥ पञ्चमसूत्रसूरीदिपगमीउष्टुवैङ्गमोमः॥०॥  
मः भवेन्महिनीभद्रउष्टु॥०॥ कर्मिङ्गिङ्गिउष्टु॥०॥ भवङ्गि  
ममकंउष्टु॥०॥ संभवल्लदेवीउष्टु॥०॥ यंभवसुत्रिङ्गदेवीउष्टु॥०॥  
संभवैश्वर्यप्रददेवीउष्टु॥०॥ संभवल्लभयीदेवीउष्टु॥०॥ वंभव



卯



उष्टे॥ॐ॥पुंठंरंठंभदभलवप्रणयिरीवागुवउउष्टे॥ॐ॥यंरं  
लंवंठभरयंभवेसुगीवागुवउउष्टे॥ॐ॥मंषंमंयंझीकैलिरीव  
गुयउउष्टे॥ॐ॥झीमीमोःमपयरेसुगीदिप्रमिदिउष्टे॥ॐ॥दं  
पिसगीभुउउष्टे॥ॐ॥इतिमिदिउष्टे॥ॐ॥भांउरलमउधुय  
देवउउष्टे॥ॐ॥यंरंलंवंमंझीलीकुंभःसुभलरउपिली  
उष्टे॥ॐ॥पंषंमोदरकगउकुपिलीउष्टे॥ॐ॥सुंझीरजीकरपा  
मउपिलीउष्टे॥ॐ॥किंउभुभंउमउपिलीउष्टे॥ॐ॥कमसुद  
मिदेवउसुभुउष्टे॥ॐ॥वाभुउकुंमंझीकमसुउष्टे॥ॐ॥कम











ममवस्तुभयतिभवेपि॥ मुभयति॥ एवं॥ म॥ मयंभनाभिके  
 परिवित्तुभकनिष्कृष्टुपुर्वेपित्तुभकपुल्लु॥ म॥ मवस्तुभवेक  
 वस्तुपुषमभंपष्टु॥ ० म॥ मवभिलितमयंभादिती॥ १ म॥ म॥ म॥  
 म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥  
 म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥  
 म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥  
 म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥  
 म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥  
 म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥ म॥

श्री.







श्री.



ति॥ मङ्गलमस्तु॥ मङ्गलमस्तु॥ मङ्गलमस्तु॥ मङ्गलमस्तु॥ मङ्गलमस्तु॥  
पुष्पलिङ्गविविधमस्तु॥ मङ्गलमस्तु॥ मङ्गलमस्तु॥ मङ्गलमस्तु॥ मङ्गलमस्तु॥  
नमो नमो नमो नमो॥ मङ्गलमस्तु॥ मङ्गलमस्तु॥ मङ्गलमस्तु॥ मङ्गलमस्तु॥ मङ्गलमस्तु॥  
लुभितुं नमो नमो॥ मङ्गलमस्तु॥ मङ्गलमस्तु॥ मङ्गलमस्तु॥ मङ्गलमस्तु॥ मङ्गलमस्तु॥  
गायनमस्तु॥ मङ्गलमस्तु॥ मङ्गलमस्तु॥ मङ्गलमस्तु॥ मङ्गलमस्तु॥  
मुलमुलमुलमुल॥ मङ्गलमस्तु॥ मङ्गलमस्तु॥ मङ्गलमस्तु॥ मङ्गलमस्तु॥ मङ्गलमस्तु॥  
मङ्गलमस्तु॥ मङ्गलमस्तु॥ मङ्गलमस्तु॥ मङ्गलमस्तु॥ मङ्गलमस्तु॥  
मङ्गलमस्तु॥ मङ्गलमस्तु॥ मङ्गलमस्तु॥ मङ्गलमस्तु॥ मङ्गलमस्तु॥



ॐ दे भव कैं टिणी भवि उवः सजिः प्रमोद याग ॥ ॐ ति कुल कु भव  
नं न ह्वये वै भाण कैं ठिल धति भै भउ दंग कळि ॥ भयम सुप्रै ति भम  
व भा प्रै ति पर भय प्रमवा प्रै ति पर बुद्ध कु पैं कृ क ति पुट्टे वं वे म् ति भद  
प नि ध ग ॥ ॐ हव च ॥ ये द्रु ॥ य प नि ध ग ॥ ॐ ॐ भ भि पु ग भ  
ॐ दे ॥ ॐ मे व द वै क म व उ म व व कैं व ग ॥ ॐ म यं न ह्वा ए उ ॥ ॐ प  
ॐ भ चै उ म ह उ व म म भ ॐ म्वा ए उ न भु प्र ग भू क भ उ म्भ ॥ ॐ प पु उ ॥ ये  
गी ए ॐ म भ ग र क्क न मि ह्वा व व उ म चै धं म्वा उ न भू ह्वा म्भ क भि ह्वा  
उ ह्वा कैं ॥ ॐ कैं न भ द्वा ह्वा यं च य ति ॥ ॐ म्भ ह्वा क भि ति ह्वा ॥ ॐ



Om Shri Ganesha Namah

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
यस्य भगवत्पुत्रोऽयम् ॥ यस्य भगवत्पुत्रोऽयम् ॥  
एतद्भगवत्पुत्रोऽयम् ॥ एतद्भगवत्पुत्रोऽयम् ॥  
चतुर्थोऽयम् ॥ चतुर्थोऽयम् ॥  
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय



गवतुअमः भवंतुगोएतं॥ अथकेमः विवीधुतपीठकवतिअमनंम  
मयतिउतुचाछेवत्रैकवमैरज्ञालमत्रैकदीतिभदवमठगवानं  
हृअकेरवसुठेरमहुस्तयभपमयग॥ प्रवेअमरवापुभकरहु  
गतिभमंत॥ तिरमः सिरमः उयएधमइलेपमकैरुहुहुप्र  
तिमिरवंधप्रप्रतिकुहुहुप्रप्रतियरहुहु॥ गतिहुः परभंपरम  
मपसुतिभरय॥ विवीधमहुगुतंतडिप्रमाविपटवैरगवंधमः  
ममिरुतेविष्कंदममपममा॥ विष्कैः मवतैमपटममदयषापल  
लपेनमेउपुतभवापुठमिगितंमपममिडि॥ विष्कैदेममपमं॥



Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org



णीउयः भभचलभभुतेभभप्रतिपरभभभनिभोरेवभति॥ ग  
नंइतिइभुकेरपवेनभभनैकलेरगपतिभहृगलम  
इप्रति॥ सुषगायत्रीभाविशीभभभुतीधरापभइकपूजउयभव  
भिमंष्टुपु॥ तिरागीसुरिदिददेकीकभसुरिणीभदिभोउवःसक्तिः  
प्रमंयामिति॥ गायत्रीप्रतः भाविशीभभभुतीभभुतीभभुतीभभुती  
निरुत्तरभरापभभः उइव॥ भाभकपप्रसन्नलविगुदेनकगमि  
ककातेनष्टप्रति॥ उदरपरिसाभुलिऊरंभिउइवंरगीभवंष्ट  
प्रति॥ ननंरुतःभभभुतीभभभः॥ उतिउकगवभदउइवंभभुती



निहंमेवी भूतिममचंपसु निभमउडंगसु निचपवंवमेतिमदेपनि  
धग ॥ ॐ स्वस्त्यै नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥  
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

लो



द्रविठतिविचां नउरुमेवात्रदधयेन पितरैरविषयाः॥७८॥  
 उपडिवसुंभवविहुरिभुतौ।नविषयंविहंभनःकदंभभद्रांयउ  
 निविषयभ्राभुभनमंभक्तिविष्टु॥॥॥भनोदेविविणपेजंमुहुंम'मु  
 हुभेनम॥समुहुंकभमहुल्लसुहुंकभविवल्लितभा॥०॥भनपवभ  
 नष्टांयंकगंरभेयै॥वरुसविषयभक्तैभक्तिविषयंभनः  
 निभुविषयभक्तैभक्तिविहंभनैदमि॥निभुविषयभक्तैभक्तिवि  
 पयंभनः॥३॥यमपाहुमरीकवंतमवपगमंपदभा॥७९॥  
 वमुदिगाउंयभा॥४॥यमपाहुमरीकवंतमवपगमंपदभा॥७९॥  
 वमुदिगाउंयभा॥४॥यमपाहुमरीकवंतमवपगमंपदभा॥७९॥

श्री



रम पिडुंठुं स क ह म व र ॥ ५ ॥ प ह प उ वि नि म कं व द्र मं प ह उ  
भ य भा ॥ भ ग ॥ भ रू ये डे नि भ भ रं ठ व य क र भा ॥ ७ ॥ म भ र ॥ उ ठ  
दे न र क वें क व उ छ उ ॥ उ दे व वि क लं व द्रा र वि क लं नि र स र भा ॥ १ ॥  
उ व द्र दं मि डि ए व व द्र म म ड उ उ र म ड ॥ नि वि क ल म र भु भु द  
उ रू भू उ व लि उ भा ॥ ३ ॥ म भू म य म र उ म य हु उ म भू उ व र ॥ र वि  
रै र म य डि व र रै र म भा र कः ॥ ७ ॥ र म भू क र भू भू डि रि डे धा प र  
भू उ उ ॥ क प व द्र म भू उ ह र ग म्भू प्र भू प्र भू ॥ ७ ॥ भू र इ य उ उ जी  
धू प्र ॥ ली म र वि ड उ ॥ प क प व द्र क उ म भू उ म्भू उ व र भू उः ॥ ७ ॥



लल

पकमवद्रणमैरम सुउम सुवडा ॥ ५५ ॥ मंचुतभकमंविहभारे ५५  
ऐयषा ॥ ७३ ॥ ५५ ऐलीयेतरक संतु वृष्णीवेरठेपमः ॥ ५५ एवद्विवि  
णकरंविहभारे ५५ ऐप्ररः ॥ ७३ ॥ उदुमेरामएरातिमंएरातिमविह  
मः ॥ ममभयचउयंदउवडिः ५५ तिर्विललः ॥ ७४ ॥ ठिनेउमभिमैक  
५ दभेनपवारपहृति ॥ ममलं परमं वृद्धतमिहरीयेमहारभा ॥ ७५  
उद्विहवरदरंएयहृमीहृहृतिभद्वरः ॥ इवृद्धनीवेदिउहृमवृ  
५५ परंमयउ ॥ मवृवृद्धलिरिहृउः परवृद्धणितहृति ॥ ७६ ॥ उमहृ  
मः ५५ उंमैणवीहृउद्वरः ॥ ७७ ॥ ५५ नभिरणहृजीहृहृहृउममेधउ ॥ ७८



वामनेकवल्लरं क्षीरभृष्टं वल्लः ॥ ३ ॥ क्षीरं यथमुत्तिष्ठं लिङ्ग  
नामं शवं यथा ॥ क्षीरं देवभक्त्ययमभ्युदयं पदम् ॥ ० ७ ॥ ॐ उक्तं  
निश्चिन्तयितुं भवद्विषयं भवद्विषयं भवद्विषयं यथैतन्नीतिर्भवे  
प्रभवेत्तु विषयमभ्युदयं भवद्विषयं भवद्विषयं भवद्विषयं भवद्विषयं  
दयधेसमं भवद्विषयं भवद्विषयं भवद्विषयं भवद्विषयं भवद्विषयं  
भक्त्ययमभ्युदयं भवद्विषयं भवद्विषयं भवद्विषयं भवद्विषयं भवद्विषयं  
उभयद्विषयं भवद्विषयं भवद्विषयं भवद्विषयं भवद्विषयं भवद्विषयं  
रा ॥ ३ ॥ ॐ उक्तं भवद्विषयं भवद्विषयं भवद्विषयं भवद्विषयं भवद्विषयं







Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org







Digitized by Panjab Digital Library | www.panjabdigilib.org







[illegible]







Acco No 896

[illegible][illegible]







गीय ॥ मेपेवैदुद्ररुडैदवि ॥ पट्टविद्वं ॥ मिषरभपेडिभेप्रिदे  
 इठलभभुग ॥ रतिष्ठुवियमे ॥ रनियभभेदः ॥ केलप्रतिष्ठुंऊदग  
 भभेठवेग ॥ पठमेगनिभ्रइ ॥ प्रपकडयकलिकः ॥ सुल्लमिडि  
 भवप्रैडिउडाएपमभ्रगी ॥ यडगयविदीनेपिप्रएंरऊनउय  
 मि ॥ यमिहोभ्रभभेडागीहडिरऊनवने ॥ ॐतिमीकैलेपनि  
 धडभप्रतिष्ठुमा ॥ ॐभःमिवय ॥ ॐभ्रवऊभरःधभ्र  
 पिठगवउपरमभ्रपप्रऊ ॥ भ्रणीदिठगवा ॥ कभ्रनऊहैरुडि  
 किंउडु ॥ मिडि ॥ भदेवमठगवा ॥ ॥ पगदिप्रमदभा

50397



श्री.



SERIES